नवीन पाठ्यक्रम

Name : ....

NM-34

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : **14**]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **7**

K-202010–A

विषय : हिन्दी

समय : **3 घण्टे**]

[पूर्णांक : **80**

निर्देश :

(*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न–पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड–'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड–'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड–'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड–'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"वैदिक युग भारत का प्राय: सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है। वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्ण काल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते किन्तु उनका समय हमें स्वर्ण काल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध युग का आरंभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिक आन्दोलन के समान था। ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, बुद्ध जाति-प्रथा के विरोधी थे और वे मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे।

नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उनकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं। बुद्ध की ये सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से बराबर इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे। किन्तु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे। उनकी प्रेरणा से देश के हजारों-लाखों युवक जो समाजिक भरण-पोषण करने के लायक थे, संन्यासी हो गए। संन्यासक संस्था समाज विरोधी संस्था है।"

(*i*) वैदिक युग स्वर्ण काल के समान क्यों प्रतीत होता है ? [2]

(*ii*) जाति-प्रथा व नारियों के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(*iii*) बुद्ध पर क्या आरोप लगता है और उनकी कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती ? [2]

(*iv*) 'संन्यास' का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इससे समाज को क्या हानि पहुँचती है। [2]

(*v*) बौद्ध धर्म ने नारियों को समता का अधिकार दिलाने में किस प्रकार से योगदान दिया ? [2]

(*vi*) उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग करके लिखिए : [1]

विद्रोह, संन्यास

(*vii*) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए। [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का
मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर

फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी—
तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

(*i*) कवि ने मृत्यु के प्रति निर्भय बने रहने के लिए क्यों कहा है ? [1+1+1+1=4]

(*ii*) मृत्यु को विश्राम-स्थल क्यों कहा गया है ?

(*iii*) कवि ने मृत्यु की तुलना किससे और क्यों की है ?

(*iv*) सच्चे प्रेम की क्या विशेषता बताई गई और उसे कब निष्प्राण कहा गया है ?

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया / आलोचना व्यक्त कर लिखिए : [1½+1½=3]

(*अ*) संवाद

(*ब*) भाषा-शैली

अथवा

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी 'रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए :

(*अ*) पात्र एवं चरित्र-चित्रण

(*ब*) भाषा-शैली

प्रश्न-4 'नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। [3]

अथवा

'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-5 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(*अ*) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(*ब*) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है ?

(*स*) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(*द*) एंकर-बाइट किसे कहते हैं ?

प्रश्न-6 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(*अ*) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

(*ब*) साइबर अपराध का आतंक

(स) वृक्ष धरा के भूषण

(द) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

प्रश्न-7 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

अथवा

किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 (*i*) हिन्दी साहित्य जगत में आंचलिक उपन्यास का प्रारंभ किस उपन्यास से हुआ और उसके कृतिकार कौन थे? [½+½=1]

(*ii*) "इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का" रघुवीर सहाय की इस कविता की पंक्ति किसके लिए कहा गया है? [3]

(*iii*) प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकट।

आइ गयउ हनुमान जिमि करुना मँह बीर रस॥

—इस काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [3]

(*iv*) 'कविता के बहाने' काव्य में कविता की उड़ान तथा चिड़िया की उड़ान में क्या अंतर है? [1½+1½=3]

प्रश्न-9 (*i*) 'बिना मुरझाए महकना' कवि कुंवर नारायण जी ने किसके संदर्भ में कहा है? इसका क्या अभिप्राय है? [2]

(*ii*) नहला के छलके-छलके निर्मल जल से

उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके

किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में ले के है पिन्हाती कपड़े
—इस रूबाई के शायर का नाम तथा रूबाई की विशेषता लिखिए। [1+1=2]

(*iii*) चार्ली चैप्लिन को भारतीयों ने सहज भाव में क्यों अपनाया? [2]

प्रश्न-10 (*i*) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में 'यथा प्रथा तथा राजा' से लेखक धर्मवीर भारती का क्या आशय है? [2]

(*ii*) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में लुट्टन सिंह की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए (कोई ***दो***)। [1+1=2]

प्रश्न-11 (*i*) 'बाजार-दर्शन' पाठ के आधार पर बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या असर पड़ता है? लिखिए। [1½+1½=3]

(*ii*) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर आदर्श समाज के तीन विशिष्ट गुण लिखिए। [1+1+1=3]

प्रश्न-12 (*i*) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल तथा संघर्ष से भरी जीवन-स्थितियों में अविचल रहकर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है। स्पष्ट कर लिखिए। [3]

(*ii*) 'आत्म-परिचय' कविता में ''जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं।'' हरिवंशराय 'बच्चन' ने ऐसा क्यों कहा है? [3]

प्रश्न-13 नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क देकर लिखिए। (***चार*** बिंदु में) [1+1+1+1=4]

अथवा

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

प्रश्न-14 (*i*) ''ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।'' इस कथन पर विचार करते हुए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

अथवा

''यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।'' इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

(*ii*) 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1+1=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

———